एसआईआर :प्रशिक्षण में हृदय रोगी शिक्षक ने सुनाई अपनी पीड़ा तो अधिकारियों से मिली सस्पेंड की धमकी !

तबीयत बिगड़ी तो अस्पताल पहुंचा, शिक्षकों ने अंबेडकर चौराहे पर किया चक्काजाम

नवभारत न्यूज

गुना 31 अक्टू. का। एसआईआर और बीएलओ संबंधी कार्यों को लेकर प्रशासन द्वारा शिक्षकों पर लगातार दबाव डाले जाने के विरोध ने शुक्रवार को गंभीर रूप ले लिया। पीजी कॉलेज में आयोजित बीएलओ प्रशिक्षण के दौरान एक हृदयरोगी शिक्षक की तबियत अचानक बिगड़ गई और वे बेहोश होकर गिर पड़े।

आरोप है कि शिक्षक द्वारा अपनी स्वास्थ्य स्थिति बताते हुए बीएलओ ड्यूटी से छूट देने का निवेदन करने पर अधिकारियों ने उनकी बात सुनने के बजाय उल्टा सस्पेंड करने की धमकी दे दी। इससे तनाव में उनकी हालत और खराब हो गई। साथी शिक्षक उन्हें तत्काल जिला अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां उनका इलाज जारी है और स्थिति गंभीर बताई जा रही है। घटना से नाराज शिक्षकों ने दोपहर बाद अंबेडकर चौराहे पर चक्काजाम कर कड़ी नाराजगी जताई। यह घटना शुक्रवार दोपहर पीजी कॉलेज में आयोजित बीएलओ अधिकारियों के प्रशिक्षण के दौरान हुई। जानकारी के अनुसार वृद्ध शिक्षक चंद्रप्रकाश भट्ट जो हृदयरोग से पीड़ित हैं, की बीएलओ ड्यूटी स्थल से करीब 12 किलोमीटर दूर के क्षेत्र में लगाई गई थी। प्रशिक्षण के दौरान उन्होंने अधिकारियों से कहा कि उनकी तबियत ठीक नहीं रहती और वे इतनी दूर जाकर लगातार घर-घर सर्वे नहीं कर पाएंगे। साथ ही उन्होंने संबंधित बीमारियों के दस्तावेज दिखाकर छूट का अनुरोध किया। लेकिन उपस्थित अधिकारियों ने बात सुनने के बजाय उन पर कार्रवाई और निलंबन की चेतावनी दे दी। आरोप है कि तहसीलदार कमल मंडेलिया द्वारा भी कड़ा व्यवहार करते हुए दबाव बनाया गया। बताया गया कि मानसिक तनाव और घबराहट बढ़ने से चंद्रप्रकाश वहीं प्रशिक्षण स्थल पर बेसुध होकर गिर पड़े। साथी शिक्षक उन्हें जिला अस्पताल लाए, जहां चिकित्सकों ने उनकी स्थिति गंभीर बताई। मामले की जानकारी मिलते ही अन्य शिक्षक भी अस्पताल पहुंचे और इसी बीच घटना को लेकर शिक्षकों में आक्रोश फैल गया। चिकित्सक साथियों ने कहा कि प्रशासन और अधिकारी लगातार गैर-शैक्षणिक कार्यों का अत्यधिक दबाव डाल रहे हैं, जिससे शिक्षक वर्ग मानसिक रूप से परेशान है।

बाद में बड़ी संख्या में शिक्षक अंबेडकर चौराहे पर एकत्र हुए और मुख्य मार्ग पर चक्का जाम कर विरोध प्रदर्शन किया। शिक्षकों ने नारेबाजी करते हुए कहा कि उनसे केवल शैक्षणिक गतिविधियों से जुड़े कार्य ही लिए जाएं। गैर-शैक्षणिक और फील्ड सर्वे आधारित कार्यों के कारण शिक्षक न तो विद्यालय में पठन-पाठन सही से कर पा रहे हैं और न ही स्वयं व परिवार को समय दे पा रहे हैं।

मेरे पिताजी को कुछ हुआ तो अधिकारी होंगे जिम्मेदार-बेटा

इस बारे में उनके बेटे गौरव ने बताया कि उनके पिताजी वृद्ध हैं, और उनकी ड्यूटी बीएलओ के लिए लगा दी थी। जिस जगह ड्यूटी लगाई थी वह विद्यालय से करीब 12 किमी दूर है। आज पीजी कॉलेज में प्रशिक्षण जारी था। इसी दौरान उन्होंने अपनी पीड़ा अधिकारियों के समक्ष रखी कि वह हृदय रोगी हैं। लेकिन वहां पर उपस्थित अधिकारियों ने उनकी बात नहीं सुनी और उल्टे सस्पेंड करने की धमकी दी। जिसके बाद उनकी हालत बिगड़ी और बेहोश हो गए। मौके पर मौजूद तहसीलदार कमल मंडेलिया ने उन्हें धमकाया। मौके पर मौजूद अधिकारियों के दुर्व्यवहार के कारण उनकी स्थिति बिगड़ी। अभी अस्पताल में भर्ती हैं और होश नहीं आया है। छोटे कर्मचारियों पर इस तरह का दबाव और दुर्व्यवहार किया जा रहा है। यदि मेरे पिजाजी को कुछ होता है तो उसके लिए अधिकारी जिम्मेदार होंगे।

अंतर संभागीय प्रतियोगिता में बॉस्केटबॉल खिलाड़ियों ने दिखाया दमखम

गुना। अन्तर संभागीय शालेय 14 वर्ष से कम आयु की बालिकाओं की प्रतियोगिता जो कि 24 से 28 अक्टूबर शहडोल में खेली गई। जिसमें प्रदेश के 10 संभागों ने भाग लिया । इस प्रतियोगिता में ग्वालियर संभाग चौथे स्थान पर रही इस प्रतियोगिता के समापन पर गुना की बालिका जो कि पूर्व में मध्य प्रदेश का प्रतिनिधत्व करते हुए देहरादून में राष्ट्रीय प्रतियोगिता में भाग लिया था इस बालिका को शहडोल में प्रतियोगिता की वेस्ट डिफेंडर का पुरस्कार प्रदान किया गया । इस प्रतियोगिता में मध्यप्रदेश टीम का चयन किया जाएगा जो की राष्ट्रीय शालेय 14 वर्ष से कम आयु की बालिकाओं के लिए राष्ट्रीय प्रतियोगिता में भाग लेंगी। इसी प्रकार 27 अक्टूबर से 31 तक 14 वर्ष से कम आयु के बालकों की अंतर संभागीय बालक प्रतियोगिता सम्पन्न हुई इस प्रतियोगिता में ग्वालियर संभाग की टीम ने जिसमें गुना के खिलाड़ी भी भाग ले रहे थे प्रतियोगिता के फाइनल में पहुंच कर उज्जैन संभाग की टीम से 70 - 60 से पराजित हो कर उपविजेता बने। इस प्रतियोगिता में मध्यप्रदेश टीम का चयन किया जाएगा जो की 14 वर्ष से कम आयु के बालकों की राष्ट्रीय प्रतियोगिता में भाग लेंगे।

इंदिरा के शौर्य और पटेल की एकता को याद कर भावुक हुए कांग्रेसजन

गुना। देश की पहली महिला प्रधानमंत्री स्वर्गीय इंदिरा गांधी की पुण्यतिथि और प्रथम गृहमंत्री लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयंती पर कांग्रेसजनों ने दोनों नेताओं का स्मरण किया। राजीव गांधी कांग्रेस भवन में पूर्व जिला अध्यक्ष मेहरबान सिंह धाकड और वरिष्ठ नेताओं की मौजूदगी में पार्टी नेता एवं कार्यकर्ताओं ने इंदिराजी और पटेलजी को चित्रों पर श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए अपनी श्रद्धांजलि दी। मेहरबान सिंह धाकड़ ने कार्यकर्ताओं को इंदिरा गांधी के शौर्य से परिचय कराते हुए 1971 के युद्ध का जिक्र किया। धाकड़ ने बताया कि इंदिरा गांधी हमेशा निर्गुट देशों का प्रतिनिधित्व करती रहीं। उन्होंने कभी भी विदेशी शक्तियों के सामने घुटने नहीं टेके। पाकिस्तान के 93 हजार सैनिकों का आत्मसमर्पण करवाने के बाद दुनियाभर में भारत का गौरव और शौर्य बढ?या था, यहीं से इंदिराजी को आयरन लेडी के रूप में भी पहचान मिली। वह जान गई थीं कि उनकी हत्या की साजिश हो रही है, इसके बावजूद उन्होंने अपनी सुरक्षा में इजाफा नहीं किया। यह कदम उनकी निडरता को भी प्रदर्शित करता है। इसी तरह सरदार वल्लभ भाई पटेल ने रियासतों का विलय कराते भारत को विशाल राष्ट्र बनाने में अपनी महत्वपूर्ण योगदान दिया। पटेल ने देश में एकता, अखंडता और शांति स्थापित करने मिसाल स्थापित की है, इस अवसर पर वरिष्ठ कांग्रेस जन हरिशंकर विजयवर्गीय, कैलाश नारायण भार्गव, रजनीश शर्मा, राजेन्द्र रमेश सेंड़ो, राम प्रकाश चौधरी, प्रकाश धाकड़,ओम प्रकाश शर्मा,गोपाल शर्मा, छोटू शिमला, रणवीर सिंह कुशवाह, राम जीवन भार्गव, राजू कोरी, प्रशांत शर्मा, धर्मेंद्र धाकड़, भगवान सिंह उपस्थित रहे।

कस्तूरबा कॉलेज में दिखाई डॉक्यूमेंट्री

गुना। शासकीय कस्तूरबा महाविद्यालय में सरदार वल्लभभाई पटेल की 150 की जयंती के अवसर पर छात्राओं को एक डॉक्यूमेंट्री फिल्म दिखाई गई। तदुपरांत राष्ट्रीय सेवा योजना एवं इतिहास विभाग में डॉ पूनम पारीक द्वारा छात्राओं के बीच क्विज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें मनीषा मुंग्या, परी साहू, निकिता बेरवा, कनक साहू, माला सेन, कुसमी केवट सपना केवट, सपना प्रजापति नंदिनी अहिरवार ,चंचल जाटव, साक्षी कुशवाहा, मनौती शर्मा शिवानी कुशवाहा, खुशी सुमन आदि छात्राओं ने भाग लिया जिसमें प्रथम स्थान मुस्कान प्रजापति ने प्राप्त किया। कार्यक्रम में डॉ दिवाकर तिवारी डॉक्टर प्रीति यादव श्रीमती आशा बाथम कीर्ति सोनी प्रशांत आर्य जावेद अली एवं मिथुन धाकड़ सहित छात्राएँ उपस्थित रहीं।

सरदार पटेल जयंती पर राष्ट्रीय एकता दिवस मनाया गया

आरोन। देश के लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती पर गुरुवार को नगर परिषद आरोन द्वारा सीएम राइस शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय में राष्ट्रीय एकता दिवस मनाया गया। कार्यक्रम में अनुविभागीय अधिकारी महेश कुमार बमना ने उपस्थित छात्र-छात्राओं एवं अधिकारियों को राष्ट्रीय एकता की शपथ दिलाई। सीएमओ दिनेश कुमार सोनी ने कहा कि सरदार पटेल ने देश की एकता और अखंडता को मजबूत आधार दिया, उनके जीवन से हमें राष्ट्रहित में कार्य करने की प्रेरणा मिलती है। सीओ शेख जिगर खान ने सरदार पटेल के योगदान पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर एसडीएम बमना ने हरी झंडी दिखाकर एकता दौड़ का शुभारंभ किया, जिसमें विद्यार्थियों ने उत्साह के साथ भाग लिया और एक भारत, श्रेष्ठ भारत का संदेश दिया। कार्यक्रम में तहसीलदार धीरेंद्र गुप्ता, नायब तहसीलदार अमित जैन, विद्यालय प्राचार्य, थाना प्रभारी, नगर परिषद एवं विद्यालय स्टाफ उपस्थित रहे।

विधिक साक्षरता शिविर आयोजित

गुना। मन मेंटल हेल्थ अवेयरनेस एंड नेटवर्किंग समिति, गुना द्वारा संचालित मन मनोचिकित्सा संस्थान एवं नशामुक्ति केंद्र में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, गुना के तत्वावधान में एक विधिक साक्षरता शिविर का आयोजन किया गया। इस अवसर पर श्रीमती वंदना त्रिपाठी, सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, गुना ने नशामुक्ति केंद्र में भर्ती मरीजों को कानूनी अधिकारों, सरकारी योजनाओं और न्याय तक पहुँच के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी। कार्यक्रम में मन नशामुक्ति केंद्र के डायरेक्टर डॉ. अनिल विजयवर्गीय, मन कॉलेज में संचालित एम.फिल क्लिनिकल साइकोलॉजी कोर्स के असिस्टेंट प्रोफेसर नसीम अहमद, तथा डीडीएसी प्रोजेक्ट मैनेजर श्रीमती शुभिका विजयवर्गीय विशेष रूप से उपस्थित रहे।

शहर में छाया देवउठनी एकादशी का रंग, गन्ने से सजे मंडप

गुना। नगर में देवउठनी एकादशी को लेकर खासा उत्साह देखने को मिल रहा है। शनिवार को होने वाले मुख्य पर्व से पहले ही शहर के बाजारों में भक्तों की भीड़ उमडने लगी है। पूजन सामग्री, तुलसी विवाह के निर्णायक सामान और गन्ने की खरीदी तेजी से बढ़ी है। शहर के प्रमुख मार्गों, सब्जी मंडियों और चौक क्षेत्रों में अस्थायी दुकानें सज गई हैं, जहाँ भाजी, बेर, सिंघाड़ा और मौसमी फलों के साथ-साथ गन्नों की बिक्री जोरों पर है।

मांग बढने के कारण गन्नों के दामों में भी उल्लेखनीय उछाल आया है। एक गन्ना 20 से 30 रुपए में बिक रहा है, जबकि पांच गन्नों का सेट 100 से 150 रुपए के बीच विक्रय हो रहा है। देवउठनी एकादशी को देव प्रबोधिनी ग्यारस भी कहा जाता है। धार्मिक मान्यता है कि इस दिन भगवान विष्णु चार महीने की योगनिद्रा से जागते हैं और सृष्टि संचालन पुनः आरंभ करते हैं। इसी के साथ चातुर्मास की अवधि समाप्त हो जाती है तथा विवाह, गृह प्रवेश और मुंडन जैसे शुभ कार्यों पर लगे प्रतिबंध समाप्त हो जाते हैं।